अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष – 10 अंक – 255 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 14 दिसम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण लाइव प्रसारण

कुशीनगर (वेब वार्ता)। द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक काशी विश्वनाथ धाम के भव्य व नव्य स्वरूप के भव्य लोकार्पण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सोमवार को नगरपालिका पडरौना द्वारा नगर के साहबगंज दक्षिणी में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पडरौना नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनय जायसवाल द्वारा की गई। इस दौरान मुख्यतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश चुनाव सहप्रभारी व राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर की मौजूदगी रही। लाइव प्रसारण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण किया गया। अपने सम्बोधन में मुख्यतिथि ने बताया कि भारतीय सनातन संस्कृति को बचाने का कार्य प्रधानमंत्री जी द्वारा किया जा रहा है। रामायण सर्किट से लेकर चारधाम यात्रा, बौद्ध सर्किट से लेकर कुशीनगर हवाईअड्डे साथ ही करतारपुर साहिब तक के लिए पीएम मोदी ने द्वार खोलकर सर्वसमाज के हित के लिए कार्य किया है। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि अयोध्या के बाद काशी को भव्यता प्रदान करते हुए पीएम मोदी व सीएम योगी ने भारत की सनातन संस्कृति को मजबूत करने का प्रयास किया है। पीएम मोदी के तीन संकल्पों स्वच्छता सश्जनता व आत्मनिर्भरता को अपने जीवन मे पूरे मनोयोग से उतारने को लेकर उन्होंने सभी को दृढसंकल्पित होने के प्रति आग्रह किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा प्रेमचंद मिश्रा, पूर्व संगठन मंत्री रामेश्वर कुशवाहा, विवेकानंद पांडेय जिला महामंत्री, जन्मेजय सिंह विधायक, मण्डल अध्यक्ष प्रमोद साहा ,विस्तारक ऋषभ कुमार अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष जायसवाल, कुसुम देवी ,कौशिल्या देवी ,मंजू शर्मा, देवकी शर्मा, मालती देवी, दीपिका शर्मा ,सुनिधी देवी, मंजुला देवी, सरस्वती देवी ,आरती देवी स्नेहलता देवी ,सभासद राजकुमार चौराशिया ,रामाश्रय गौतम, अभय मारोदिया, भास्कर शर्मा, श्याम साहा, आनंद रावत, गौतम गुप्ता, सचिन साहा सहित सैकड़ों की संख्या में आम जनमानस की उपस्थिती रही।

भारत में जब भी औरंगजेब पैदा हुआ, शिवाजी का भी उदय हुआ : मोदी

वाराणसी (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वाराणसी में काशी विश्वनाथ

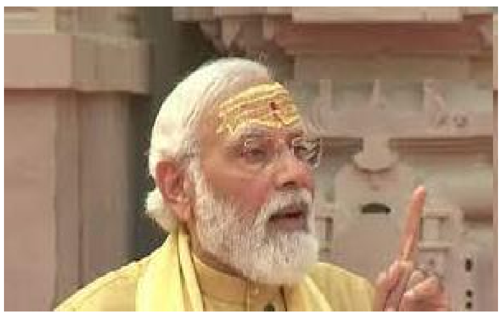

धाम के पहले चरण का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में जब भी औरंगजेब पैदा हुआ, तब इस मिट्टी से शिवाजी का भी उदय हुआ। यह देश, बाकी दुनिया से अलग है। प्रधानमंत्री ने वाराणसी की सभ्यता और विरासत की प्रशंसा की और कहा कि कई सल्तनतों का उदय और पतन हुआ, लेकिन बनारस बना रहा। मोदी ने कहा, "आक्रमणकारियों ने इस शहर पर हमला किया। इसे नष्ट करने की कोशिश की। औरंगजेब के अत्यचार और आतंक का इतिहास गवाह है। उसने कट्टरता से संस्कृति को दबाने की कोशिश की। लेकिन इस देश की मिट्टी बाकी दुनिया से अलग है। यहां अगर (मुगल सम्राट) औरंगजेब आया, तो (मराठा योद्धा) शिवाजी का भी उदय हुआ।"उन्होंने कहा, "अगर सलार मसूद आगे बढ़ा तो राजा सुहेलदेव जैसे योद्धाओं ने इस देश की एकता की ताकत का उसे अहसास कराया।" मोदी ने कहा, "काशी विश्वनाथ धाम का पूरा नया परिसर केवल शानदार इमारत नहीं है बल्कि भारत की 'सनातन संस्कृति', हमारे अध्यात्म और भारती की प्राचीनता व परंपरा का प्रतीक है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि मंदिर परिसर जो पहले मात्र 3000 वर्ग फुट का था, वह बढ़कर अब करीब पांच लाख वर्ग फुट हो गया है। अब 50 से 70 हजार श्रद्धालु मंदिर परिसर में आ सकते हैं। उन्होंने कहा, " नया इतिहास बना है और हमारा सौभाग्य है कि हम इसके गवाह बने हैं।" मोदी ने अपने भाषण के दौरान स्थानीय बोली का भी इस्तेमाल किया। अपने निर्वाचन क्षेत्र आने के बाद मोदी ने काल भैरव मंदिर में पूजा अर्चना की और गंगा नदी में डुबकी लगाई। वह वहां से पवित्र गंगाजल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर आए। प्रधानमंत्री मोदी का काफिला जब शहर से गुजर रहा था, तब लोग मंत्रोच्चारण कर रहे थे। प्रधानमंत्री भी कुछ स्थानों पर रुके और लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। काशी विश्वनाथ धाम के उद्घाटन से पहले मोदी ने एक प्रार्थना समारोह में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने इस परियोजना में कार्य करने वाले मजदूरों पर उनके कार्य के लिए आभार व्यक्त करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। वह समूह तस्वीर के लिए उनके साथ बैठे। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और देशभर से आए साधु संत भी मौजूद थे।

गांधी के नाम पर कई लोगों ने सत्ता प्राप्त की, लेकिन काशी में उनका सपना पहली बार पूरा हुआः योगी

वाराणसी। (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को किसी पार्टी का नाम लिए बगैर कहा कि महात्मा गांधी के नाम

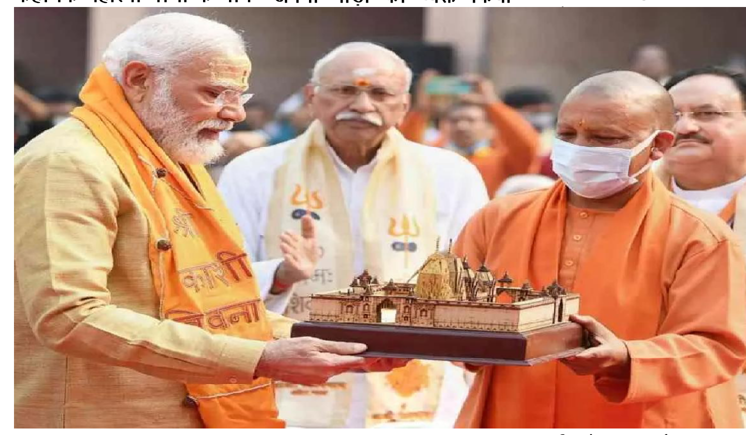

की होगी, लेकिन काशी विश्वनाथ धाम के उनके (गांधी के) सपने को साकार करने का कार्य पहली बार देखने को मिल रहा है। योगी ने वाराणसी मे काशी विश्वनाथ धाम के नये स्वरूप के लोकार्पण का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए यह कहा। मुख्यमंत्री ने कहा, "आज बाबा विश्वनाथ धाम एक नये रूप में, नये कलेवर में (आपके) सामने है और महात्मा गांधी की उस पीड़ा को दूर करने का भी एक माध्यम बना है जो आज से सौ वर्ष पहले इसी काशी में आकर उन्होंने यहां की तंग गलियों और गंदगी को देखकर अपनी पीड़ा को व्यक्त किया प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम के नव्य एवं भव्य स्वरूप का लोकार्पण किया। योगी ने इस अवसर पर कहा कि देश और दुनिया में हर भारतवासी, जो भारतीय संस्कृति, भारतीय परंपरा और भारतीय सभ्यता का अनुगामी है, आज प्रफुल्लित व आह्लादित है। उन्होंने कहा, "हम सब जानते हैं कि काशी बाबा विश्वनाथ का पावन धाम है लेकिन एक हजार वर्षों से जिन विपरीत परिस्थितियों का सामना काशी ने किया, उन विपरीत परिस्थितियों का साक्षी न केवल काशीवासी, बल्कि हर भारतवासी रहा है। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर के निर्माण में बाई होल्कर और महाराजा रणजीत सिंह द्वारा दिये गये योगदान का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व डाक्टर दिनेश शर्मा, केंद्रीय मंत्री डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडेय और प्रदेश के चुनाव प्रभारी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत अन्य लोग मौजूद थे।

एक जागरूक मतदाता सबल लोकतंत्र का सच्चा सिपाही होता है:- बी०एन० उपाध्याय

अवध की आवाज

हरदोई। एस० ओ० सी० चकबन्दी बी०एन० उपाध्याय ने बताया कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की श्रंखला में आज सुभाष चंद्र बोस महा विद्यालय कहली में बैड मिंटन बालीबाल व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गय । जिसमे कॉलेज के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों व स्टाफ के लोगों को मतदाता जागरूकता हेतु प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता के उपरांत विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में बोलते हुए एसओसी चकबन्दी ने कहा कि मतदान हम सबकी जिम्मेदारी है। एक जागरूक मतदाता सबल लोकतंत्र का सच्चा सिपाही होता है। इस अवसर पर खण्ड विकास

अधिकारी बेहंदर देवेंद्र सिंह, श्री एहतेशाम अहमद सहायक चकबंदी अधिकारी प्रधानाचार्य व व कॉलेज के स्टाफ के लोग उपस्थित रहे।

सुमन मिश्रा पत्रकार सुरक्षा महासमिति की जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ मनोनीत

अवध की आवाज

उन्नाव। नेशनल हाईवे रोड अचलगंज बदरका क्षेत्र अवध की आवाज कार्यालय में पत्रकार प्रकट किया और उनके उदबोधन में सभी पत्रकार बंधुओं को आश्वासन दिया गया कि सभी पत्रकारों के मान सम्मान के

सुरक्षा महासमिति के वरिष्ठ सदस्य की मौजूदगी में उन्नाव जनपद मैं सुमन मिश्रा को जिला कार्य कारिणी उन्नाव में अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ बनाया गया। वहीं पर मौजूद पत्रकार सुरक्षा महासमिति के प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा का माल्या अर्पण करके स्वागत किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारा अपने उदबोधन में पत्रकार सुरक्षा महासमिति के प्रदेश अध्यक्ष को एवं आमिर भाई को मौजूद सदस्य लोगों को आभार लिए पत्रकार सुरक्षा महासमिति हर समय हर पल कंधे से कन्धा मिलाकर हर स्तर पर संघर्ष करेगी । जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सुमन मिश्रा के द्वारा आश्वासन दिया गया कि वह पत्रकार सुरक्षा महासमिति में हर वक्त हर समय पत्रकार भाइयों के साथ पत्रकारों क हितों के लिए संघर्ष करेंगी। अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ने पत्रकार सुरक्षा समिति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात कही।

सम्पादकीय

स्वयं को किस्तों में कत्ल होते देखने की मजबूरी

जीवन की विभीषिकायें नित नये रूप में सामने आ रहीं हैं। कभी प्राकृतिक दावनल के रूप में तो कभी मानव के कथित विकासात्मक कृत्यों के परिणामस्वरूप। महामारी के नये स्वरूप पर जहां विश्व चिंतित है वहीं विनाशकारी हथियारों की होड भी बढती जा रही है। वर्चस्व की कामनायें निरंतर हिलोरें मार रहीं हैं। ऐसे में विश्व की मानवीय आस्था तार—तार होना स्वाभाविक ही है। जीवन के मूल्यों को स्वीकारने की परम्परा को धर्म का नाम देकर अधिपत्यवाद निरंतर शिखर की ओर बढ रहा है। देशों के मध्य वैमनुष्यता का बीजारोपण इन्हीं धार्मिक आस्थाओं के मध्य पैदा की जाने वाली खाई का परिणाम है। वर्तमान सामाजिक मूल्यों को पुरानी सम्प्रदायवादी व्यवस्था के आइने से देखने का नजरिया बदलना होगा। महापुरुषों के व्दारा दिये गये निर्देशों के मर्म को समझे बिना, लकीर का फकीर होना कदापि उचित नहीं है। सनातनी व्यवस्था हो या शिरियत कानून, बौध्द पध्दति हो या फिर ईसाई सोच। वर्तमान में इन्हें राष्ट्रीय संविधान का अंग बनाने से आधुनिक अनुसंधानों को धता बताने जैसा है। जिस युग में वे व्यवस्थायें सामाजिक संतुलन, शांति और सुखी जीवन हेतु लागू की गईं थी तब वे समाचीन थीं, उनकी आवश्यकता थी और उनके परिणाम भी सामने आये थे। देश, काल और परिस्थितियां बदलतीं चलीं गईं। पैदल यात्रा के स्थान पर आज वायुयानों तक सुविधायें उपलब्ध हैं। व्यक्तिगत संदेशा पहुंचाने की जगह अब मोबाइल सुविधाओं के माध्यम से सीधा संवाद सुलभ हो गया है। ऐसे में पद—यात्रा, चिट्ठी—पत्री भेजना, किसी मूर्खता से कम नहीं होगा। कुछ राष्ट्रों में तो आंतरिक कलह से लेकर पडोसियों के साथ तनातनी का माहौल भी इन्हीं मूल्यों के विरोधाभाषी होने के कारण बना हुआ है। कट्टरपंथियों की सीमित सोच आज भी युगों पुरानी परम्पराओं की दुहाई पर अंगडाई ले रही है। ऐसे लोगों की पर्याप्त संख्या हर सम्प्रदाय, हर धर्म और हर समाज में मौजूद है, जो निजी स्वार्थों के लिये आपसी दूरियां पैदा करने का वातावरण निर्मित करते हैं और फिर उसे हवा देकर दूर—दूर तक पहुंचाते हैं। यही आग आज पूरी दुनिया में लग चुकी है। कहीं इस्लाम का जेहाद जिंदाबाद हो रहा है तो कहीं सनातन का परचम फहराया जा रहा है। कहीं ईसाइयत के विस्तार हेतु फंडिंग की जा रही है तो कहीं लालच से आधार पर धर्म परिवर्तन की कोशिशें तेज हैं। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि क्या व्यक्तिगत जीवन जीने की एकरूपता वाली भीड जुटाना ही हमारा लक्ष्य है, या फिर इससे आगे भी कुछ सोचने, करने और परिणाम प्राप्त करने की प्रेरणायें जीवित हैं। मानवीय काया की विशेषताओं का उपयोग हर युग में होता रहा है। बुध्दि, विवेक और ज्ञान की त्रिवेणी ने हमेशा ही सामंजस्य बनाने के यक्ष प्रश्न को उत्तर तक पहुंचाया है। अफगानस्तान के हालातों से लेकर पाकिस्तान की आंतरिक कलह आज किसी से छुपी नहीं है। तुर्की, ताइवान और इजराइल जैसे अनेक राष्ट्र इसी तरह की ज्वाला में जल रहे हैं। भारत में भी सीमापार से आने वाली सहायता के आधार पर धार्मिक उन्माद फैलाने का षडयंत्र वर्षों से चल रहा है। बाह्य आक्रान्ताओं के समर्थकों की संख्या निरंतर बढती जा रही है। धनबल के आधार पर जनबल तैयार करने की मुहिम चल रही है। व्यवसायिक एकाधिकार का चलन जोरों पर है। व्यक्तियों, समाजों को भय दिखाकर शोषण करने वालों के हौसले अब सरकारों को भी डराने की दिशा में बढ चले हैं। इन राष्ट्रघाती ठेकेदारों के साथ किये जाने वाले सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार से उनके हौसलों को पंख लगते देर नहीं लगेगी। वे फिर किसी नई मांग के सामने सरकारों को झुकाने का मंसूबा पालकर किसी नये बैनर के तले इकट्ठा होंगे। संविधान में मनमाने संशोधन करवाने का दबाव बनायेंगे और हम अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर खामोशी से स्वयं को किस्तों में कत्ल होते देखते रहेंगे। आखिर वह कौन सी मजबूरी है जो हमें राष्ट्र के हित में कडे कदम उठाने से रोकती है। इसके उत्तर में एक ही बात सामने आती है जिसे हम वोट बैंक की मजबूरी कह सकते हैं। मुट्ठी भर लोगों की अनुचित मांगों के लिए मुट्ठी से बाहर के लोगों का हायतोबा मचाना किसी भी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता, परन्तु ऐसा हो रहा है। सत्ताधारी दल जब एक वर्ग के तुष्टीकरण हेतु कार्य करता है तो विपक्ष दूसरे वर्ग के मुद्दों को हवा देकर खाई को बढाने का काम करता है। उसमें भी तुष्टीकरण के विरोध में जाने का साहस नहीं होता। यदि विपक्ष ही यह साहस दिखा दे, तो वास्तविक आवशकता और बनावटीपन का भेद का उजागर होते देर नहीं लगेगी, परन्तु ऐसे में तुष्टीकरण वाले वर्ग को मिलने वाले लाभ में अवरोध बनने का खामियाजा चुनावी काल में विपक्ष को मिलने की संभावना रहती है। सो वह भी दूसरे वर्ग के साथ खडा होकर उनकी मांगों को हवा देता है और शुरू हो जाती है वर्गगत खींचातानी। ऐसी चालें मां भारती की वसुन्धरा पर बाह्य आक्रान्ताओं के साथ आयीं और स्थाई हो गईं। इस स्थायित्व के पीछे उन आक्रान्ताओं के अनुयायियों की महात्वपूर्ण भूमिका रही। फूट डालो, राज्य करो। यह मूल मंत्र आज भी भारत भूमि पर फलफूल रहा है। जातिवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, भाई—भतीजावाद, वंशवाद, सामंतवाद, कुबेरवाद, आतंकवाद जैसे अनेक कारकों का एक साथ तांडव हो रहा है। देश में ही नहीं बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भी परउपदेश कुशलबहुतेरे का राग अलापा जा रहा है। स्वयं के देश में तानाशाही करने वाला चीन अन्य राष्ट्रों के मानवाधिकारों के मुद्दों को रेखांकित करता है, विस्तारवादी नीतियों को व्यवहार में उतारने वाला यह देश दूसरों को सीमा कानून का पाठ पढाता है। गैर इस्लामिक आस्था स्थानों को ध्वस्त करने वाला पाक भी अन्य देशों की धार्मिक बंदिशों पर रोष व्यक्त करता है। ऐसा केवल चीन या पाक तक ही सीमित नहीं है बल्कि विश्व के अनेक राष्ट्रों में खाने और दिखाने के दांतों में बेहद फर्क है। यही फर्क आज विश्व को तीसरे युध्द की दिशा में बढा रहा है। अभी समय है हमें वास्तविकता को अंगीकार करके सचेत हो जाना चाहिये अन्यथा रोम और बांसुरी का कथानक की पुनरावृत्ति होते देर नहीं लगेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

इस्लाम की कट्टरता और वसीम रिजवी के बाद अली अकबर का सनातनी होना

—डॉ. मयंक चतुर्वेदी—

यह विषय और विचार कोई नया नहीं है कि इस्लाम का एक वर्ग किस तरह से अपने आप में एक विचार का पोषण करते हुए व्यक्ति को इतना अंधा बना देता है कि वह अपनी राष्ट्रीयता के लिए आवश्यक देशप्रेम को भी भूल जाता है।

भारत ने अपने देशभक्त सपूत सीडीएस बिपिन रावत और 11 जवानों को हेलीकॉप्टर क्रैश में खो दिया। देशभर में बलिदानियों के लिए श्रद्धासुमन अर्पित किए जा रहे हैं। कई देशभक्त अब भी इस हादसे के बाद से सामान्य नहीं हो सके हैं। बिना कुछ कहे ही आंखें नम हो जाती हैं, तब देश में उन विरोधी और देशद्रोहियों की भी कोई कमी नहीं दिखती जो इस पूरे घटनाक्रम पर हंस रहे हैं। हंसने की इमोजी बनाकर सोशल मीडिया में डाल रहे हैं। विचार करिए, कौन लोग हैं ये ?

उस दिन को बीते अभी बहुत समय नहीं बीता है, जब उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन सैयद वसीम रिजवी ने अचानक इस्लाम पंथ छोड़ सनातन धर्म स्वीकार करने की घोषणा की थी। इसके बाद केरल के फिल्म निर्माता अली अकबर और उनकी पत्नी द्वारा सनातन धर्म अपना लिया और नया नाम राम सिम्हन रख लिया। इससे साफ है इस्लाम की कट्टरता उस मजहब के लोग भी स्वीकार नहीं कर रहे हैं। कुछ अपवाद अवश्य हैं और जो आज इस तरह से अपने मजहब से दूर होकर एक श्रेष्ठ जीवन देशभक्ति की भावना के साथ जीना चाहते हैं।

वह दर्द जिसे मलयालम फिल्म निर्देशक अली अकबर ने अनुभूत (महसूस) किया, उसकी आप कल्पना करके देखिए, हृदय स्वयं से सिहर उठेगा। यह सिहरन इस बात के लिए पैदा होती है कि जिस देश का अन्न, जल खाकर देह को पुष्ट किया, रोजगार पाकर अपने जीवन को सुखमय बनाया, उस देश से ही नफरत ? जोकि इस्लाम के तमाम माननेवालों की अभिव्यक्ति में देशभक्त सपूत सीडीएस बिपिन रावत समेत सभी फौजियों के बलिदान होने पर खुलकर साफ बाहर निकली है। यह नफरत की आग किस तरह से अंधी है ? एकतरफा है और सब कुछ निगलजाने के लिए आतुर है। यह समझ आता है, उन तमाम वीडियो, चित्र और किसी के प्रतिउत्तर में दिए गए जवाब से। यह उत्तर जिस तरह से दिए गए या दिए जा रहे हैं, उन्होंने आज हर देशभक्त को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि इस्लाम को अपनाकर कहीं उनके बुजुर्गों से कोई बड़ी गलती तो नहीं हो गई ?

देखा जाए तो मलयालम फिल्म निर्देशक अली अकबर के साथ भी आज यही हुआ है। चूँकि वे प्रखर चिंतक, जानकार और संवेदनशील इंसान हैं, इसलिए वे उन इस्लामिक लोगों के उपहास सहन नहीं कर पाए, जिन्होंने हमारे इन बलिदानियों का अपमान किया है। जिन विपरीत परिस्थितियों में जैसे पहले वसीम रिजवी जोकि अब जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी हैं कह रहे थे, 'इस्लाम का दूसरा नाम ही आतंक है, जिसकी शुरुआत 1400 साल पहले अरब के रेगिस्तान में हुई थी। इस्लाम में कोई अच्छाई है ही नहीं। कुरान के अनुसार, एक व्यक्ति दूसरे का (जो उसके पंथ का नहीं) सिर काटता है तो वह मजहब के आधार पर सही है, लेकिन मैं इसे इंसानियत के खिलाफ मानता हूं।' वास्तव में आज इसी संवेदना को महसूस करते हुए अली अकबर भी इस्लाम से बाहर हुए हैं। आप सोचिए, अली अकबर के मन में कितना द्वंद्व चला होगा, इस कठोर निर्णय तक पहुंचने के लिए। कोई व्यक्ति अनायास ही इस तरह का निर्णय नहीं लेता। इतिहास में इस तरह से कई संदर्भ भरे पड़े हैं कि कैसे भारत में इस्लाम का प्रवेश हुआ और किस बेरहमी से हिन्दुओं का धर्म नहीं बदलने पर सामूहिक नरसंहार किया गया था। दूर क्यों जाते हैं यह वर्ष मोपला हत्याकांड का भी शताब्दी वर्ष है। 20 अगस्त 1921 को मालाबार इलाके में मोपला विद्रोह की शुरुआत हुई थी। 100 वर्ष हो चुके हैं इस घटना को हुए, लेकिन जब भी इसे देखते हैं लगता है कि जैसे कल ही की बात हो। इस रक्तपात में हजारों लोगों की जान सिर्फ इसलिए ले ली गई, क्योंकि वे हिन्दू बनकर ही जीना और हिन्दू सनातन धर्म में रहते हुए ही मरना चाहते थे।

मोपला नरसंहार के मामले में ''दीवान बहादुर सी गोपालन नायर'' को प्राइमरी सोर्स माना जा सकता है, क्योंकि वह तत्कालीन समय में डिप्टी कलक्टर थे। उन्होंने लिखा कि गर्भवती महिलाओं के शरीर को टुकड़ों में काट कर सड़क पर फेंक दिया गया था। मंदिरों में गोमाँस फेंक दिए गए थे। कई अमीर हिन्दू भी भीख माँगने को मजबूर हो गए। जिन हिन्दू परिवारों ने अपनी बहन—बेटियों को पाल—पोषकर बड़ा किया था, उनके सामने ही उनका जबरन धर्मांतरण कर मुस्लिमों से निकाह करा दिया गया।

बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर इसे हिन्दू—मुस्लिम दंगा मानने से इनकार करते रहे। उनका कहना था कि हिन्दुओं की मौत का आँकड़ा बहुत बड़ा है। डॉ. आंबेडकर लिखते हैं, ''अंग्रेजों के खिलाफ को तो जायज ठहराया जा सकता है, लेकिन मोपला मुस्लिमों ने मालाबार के हिन्दुओं के साथ जो किया वो विस्मित कर देने वाला है। मोपला के हाथों मालाबार के हिन्दुओं का भयानक अंजाम हुआ। नरसंहार, जबरन धर्मांतरण, मंदिरों को ध्वस्त करना, महिलाओं के साथ अपराध, गर्भवती महिलाओं के पेट फाड़े जाने की घटना, ये सब हुआ। हिन्दुओं के साथ सारी क्रूर और असंयमित बर्बरता हुई। मोपला ने हिन्दुओं के साथ ये सब खुलेआम किया, जब तक वहाँ सेना न पहुँच गई।''

इतिहास के सच को मानें तो मोपलाओं ने इस आतंक से 10 हजार से अधिक हिन्दुओं को एक साथ मौत के घाट उतार दिया था। अब यह संयोग ही कहा जाएगा कि इतिहास अपने को पुनः दोहरा रहा है, अपनी गलतियों से सबक लेकर उसमें सुधार की हूक भी वहीं से उठी है, जहां कभी बहुत बड़ी संख्या का जबरन कन्वर्जन कराया गया था। आज फिल्म निर्माता अली अकबर उसी केरल से आते हैं जहां कभी यह सब घटा था।

अली अकबर जब यह कहते हैं कि हमारे आर्मी चीफ की मौत के बाद बहुत से लोगों ने हंसने की इमोजी लगाई। ये बहुत खराब बात थी। आप सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों के नाम देख सकते हैं, वो सभी मुसलमान हैं। हम सिर्फ अपने मजहब को सबसे पहले रखकर कैसे जी सकते हैं, मेरे नजरिए में मजहब तीसरे नंबर पर आता है। पहले नंबर पर मेरा देश है, दूसरे नंबर पर भी मेरा देश ही है और फिर तीसरे नंबर पर मजहब है। वह कह रहे हैं ''किसी भी मुसलमान नेता ने ऐसे लोगों के खिलाफ मुंह नहीं खोला और इस तरह के पोस्ट न करने के लिए नहीं कहा। केरल में इस्लामिक आंदोलन अब इस्लामिक नहीं रह गया है, वो अब केरल को एक इस्लामी राज्य बनाना चाहते हैं। कुछ नेता तो ये बात सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं।

उनके अनुसार जनरल रावत के बलिदान पर इस तरह की प्रतिक्रिया इसलिए आई क्योंकि उन्होंने कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान और कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ कड़े कदम उठाए थे। ऐसे में मैं ऐसे मजहब के साथ नहीं जुड़ा रह सकता हूं जोकि इस प्रकार की धर्मांध सोच रखता हो। अली अकबर यह कहकर ही नहीं रुकते हैं, वे सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट भी करते हैं और साफ घोषणा करते हैं कि उनका इस्लाम से विश्वास उठ गया है। मुझे जन्म के समय से ही जो चोला मिला था, उसे उतारकर फेंक रहा हूँ। आज से मैं मुस्लिम नहीं हूं। मैं एक भारतीय हूं। मेरा यह संदेश उन लोगों के लिए है, जिन्होंने भारत के खिलाफ हंसते हुए स्माइली पोस्ट की है। वस्तुतः अब आप स्वयं ही सोच सकते हैं कि उनका दर्द कितना गहरा है।

इससे यह भी समझ आता है कि पंथनिरपेक्ष भारत में जिसका कि विभाजन ही धर्म के आधार पर किया गया और तर्क देनेवालों ने यहां तक कहा, स्वयं महात्मा गांधी, नेहरू भी जिससे कि सहमत दिखे—हिन्दू—मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते, इसलिए मुसलमानों को एक अलग देश दे देना चाहिए। तब देश का विभाजन होता है। मुसलमान अपने हिस्से का देश पाकिस्तान बना लेते हैं, फिर भी आज शेष बचे हिन्दुस्थान में इस्लाम का ऐसा आतंक? सोचिए, विचार कीजिएकृकृऔर अंत में यही कि जब तक इस प्रकार की कट्टर सोच जिंदा रहेगी, भारत में प्रज्ञावान देशभक्त अली अकबर जैसे लोगों की अत्मा एक न एक दिन अवश्य ही जागेगी और वे पुनः इसी प्रकार से सनातन हिन्दू धर्म में वापस आते रहेंगे, जोकि आज इस पूरे प्रकरण में होता हुआ दिखा है। (लेखक, फिल्म सेंसर बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं पत्रकार हैं।)

बॉलीवुड के अनकहे किस्से

—अजय कुमार शर्मा—

वह 1 मार्च 1957 का दिन था। मदर इंडिया फिल्म के लिए महबूब खान के निर्देशन में कैमरामैन फरदून ईरानी एक मुश्किल शॉट की शूटिंग पिछले एक हफ्ते से कर रहे थे।

क्लाइमैक्स के इस दृश्य में राधा (नर्गिस) का बेटा बिरजू (सुनील दत्त) जब गांव वाले से बचने के लिए घास के ढेर में छिप जाता है तो उसको बाहर निकाल के लिए गांव वाले उसमें आग लगा देते हैं। उसी ढेर में उसकी मां भी उसे ढूंढ रही है। पहले नर्गिस की डबल (डुप्लीकेट) यह काम कर रही थी लेकिन उसके चोटिल हो जाने की वजह से यह सीन नर्गिस ने खुद करने की इच्छा जाहिर की।

शूटिंग के समय सब ठीक चल रहा था लेकिन अचानक हवा का रुख बदल गया और नर्गिस आग के घेरे में धिर गईं। तब वहीं सेट पर उपस्थित सुनील दत्त अपनी जान की परवाह किए बिना उन लपटों में घुस गए और नर्गिस को बाहर निकाल लाए। सुनील दत्त चेहरे और छाती पर ज्यादा जले थे और नरगिस के दोनों हाथ जले थे। अगर सुनील दत्त यह तत्परता न दिखाते तो नर्गिस का बचना मुश्किल था।

उस समय की सबसे सुपर अभिनेत्री तब केवल 28 वर्ष की थीं। अब सबसे बड़ी चिंता उन दोनों के इलाज की थी। शूटिंग मुंबई से काफी दूर हो रही थी। अंत में महबूब खान ने उन्हें अपने घर बिलीमोरा जो वहां से 35 किलोमीटर दूर था भेजने का निर्णय लिया। नर्गिस तो थोड़े इलाज के बाद ठीक होने लगीं पर सुनील को तेज बुखार था और वह थोड़ी—थोड़ी देर में बेहोश हो रहे थे। यही वह समय था जब नर्गिस पहली बार सुनील दत्त के प्रति आकर्षित हुईं। उन्हें पहली बार महसूस हुआ कि उनकी इस दशा की जिम्मेदार वही है क्योंकि उन्होंने उस आग से बचने के लिए कोई कोशिश नहीं की थी और वह वहीं अपने स्थान पर ही खड़ी रह गई थीं। बाद में इस बारे में उन्होंने कहा था कि उन्हें लग रहा था कि जैसे कोई अदृश्य शक्ति उन्हें वहीं रुकने को कह रही है।

वह तुरंत सुनील की सेवा में लग गईं। उन्होंने उनके तपते माथे पर गीली पट्टियां रखीं, उन्हें खाना खिलाया और पूरी रात उनके पास बैठी रहीं। वह सुनील के आंखें खोलने का बेबसी से इंतजार कर रही थीं और जब उन्होंने अपनी आंखें खोली तो नर्गिस को महसूस हुआ कि वह सुनील को अच्छी तरह से जानने लगी हैं।

पंद्रह दिन के इलाज के दौरान एक साथ बिताए इन दिनों ने दोनों को और नजदीक ला दिया। नर्गिस को पहली बार एहसास हुआ कि वे राज कपूर को भूलने लगीं हैं। राज की तुलना में सुनील उन्हें सीधा सादा और नेकदिल इंसान लगा। उसके मन में औरत के प्रति बेहद आदर और सम्मान था। उसका व्यवहार राज से मिले जख्मों पर मलहम की तरह था। दोनों ने इस दौरान शादी का फैसला ले लिया लेकिन इस फैसले के कई दूरगामी परिणाम हो सकते थे अतः दोनों ने इस बात को छुपा कर रखना ही बेहतर समझा। क्योंकि जहां उनके इस निर्णय से फिल्म मदर इंडिया के व्यापार को नुकसान हो सकता था वहीं नर्गिस का परिवार जो पूरी तरह उनकी आय पर निर्भर था उनकी शादी किसी मामूली अभिनेता के साथ स्वीकार नहीं कर पाता।

नर्गिस ने विवाह के बाद फिल्म न करने का निर्णय लिया और उस समय शादी के लिए तय तारीख 15 अगस्त 1958 से पहले तीन फिल्में लाजवंती, घर संसार और अदालत को पूरा किया। अफवाहों से परेशान होकर नर्गिस ने एक इंटरव्यू फिल्म फेयर को दिया और कहा कि उस आग में पुरानी नर्गिस जलकर राख हो चुकी थी। यानी कि नई नर्गिस कहीं ना कहीं सुनील दत्त के जीवन में आने के लिए तैयार थी। राज कपूर के साथ आग फिल्म से शुरू हुई यह प्रेम कहानी एक आग से बदली और अंततः 11 मार्च 1958 को दोनों विवाह के पवित्र बंधन में बंधा गए। अतीत को राख में बदलकर नर्गिस ने एक गरिमामय पत्नी का किरदार आजीवन बखूबी निभाया।

चलते चलते

आग से घायल हुए सुनील की देखभाल के समय परवान चढ़े दोनों के प्रेम के दौरान अपने खतों में वे एक दूसरे को पिया और हे देयर से संबोधित करते। जब वे एक दूसरे को टेलीग्राम भेजते तो पिया और हे देयर के नाम से हस्ताक्षर करते।

अब कृषि सुधारों की नई अहमियत

—डा. जयंतीलाल भंडारी—

नौ दिसंबर को दिल्ली के विभिन्न बार्डरों पर 378 दिनों से चल रहा किसानों का आंदोलन समाप्त हो गया। कृषि कानूनों को रद करने के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सहित अन्य मांगों पर सरकार और संयुक्त किसान मोर्चा के बीच सहमति बनने और इसको लेकर सरकार से आधिकारिक पत्र प्राप्त होने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने घर वापसी की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि एक दिसंबर 2021 को तीन कृषि कानून राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के हस्ताक्षर के बाद औपचारिक रूप से वापसी हो गए हैं। चाहे कृषि कानून वापस हो गए हैं, लेकिन कृषि की विकास दर बढ़ाने और छोटे किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि सुधारों की जरूरत बनी हुई है। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि को प्रभावी बनाने और कृषि संबंधी मसलों के समाधान के लिए विशेष कमेटी बनाने की घोषणा की है। किसानों की आय के स्तर को बढ़ाने और नई कृषि रणनीति बनाने में इस कमेटी की अनुशंसाएं महत्वपूर्ण होंगी। इस कमेटी की अनुशंसाएं किसानों और ग्रामीण गरीबों की आय बढ़ाने की चुनौती के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण होंगी। नीति आयोग की 26 नवंबर को प्रकाशित हालिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण भारत में गरीबी को कम करने के लिए अधिक कारगर प्रयासों की जरूरत है। वर्ष 2015—16 के दौरान ग्रामीण इलाकों में 32.75 आबादी और शहरी इलाकों में 8.81 फीसदी आबादी बहुआयामी गरीबी में पाई गई है। चूंकि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, इसलिए कृषि उत्पादन का एमएसपी बढ़ाना जरूरी है। दुनिया के कई देशों में कृषि उपज की बाजार कीमतों में गिरावट को रोकने के लिए किसानों को सबसिडी दी जाती है। हमारे देश में वर्तमान में एमएसपी व्यवस्था 23 फसलों पर लागू है। हमारे देश में हरित क्रांति के दौरान किसानों को गेहूं उगाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एमएसपी की व्यवस्था की गई थी। बाद में इसके तहत चावल व अन्य फसलों को लाया गया। लेकिन इस समय आंदोलनकारी किसान संगठन कृषि उपजों के एमएसपी की कानूनी गारंटी चाहता है।

ऐसे में यह समझा जाना जरूरी है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी के पीछे कई चुनौतियां और कई खतरे हैं। इस समय देश में कई कृषि उपजों के एमएसपी वैश्विक जिन्स बाजार की कीमतों के लगभग बराबर आ चुके हैं। ऐसे में एमएसपी की गारंटी से महंगाई बढ़ने के साथ—साथ कृषि उपजों की गुणवत्ता व उत्पादकता में कमी आने की चुनौती भी दिखाई दे रही है। जहां प्रधानमंत्री के द्वारा गठित नई कृषि विकास कमेटी के द्वारा कृषि उत्पादन का एमएसपी बढ़ाया जा सकता है। किसानों को मांगों के मद्देनजर पीएम आशा और भावांतर भुगतान जैसी योजना शुरू की जा सकती हैं। ऊंचे दाम वाली विविध फसलों के उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन हैं। छोटे किसानों के जनधन खातों में अधिक नकदी हस्तांतरण उनकी तथा ग्रामीण गरीबों की आर्थिक मदद बढ़ाई जा सकती है। निश्चित रूप से छोटे किसानों को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहन और कृषि विकास के विशेष कार्यक्रमों से भी कृषि क्षेत्र में लगातार जीडीपी बढ़ी है। 30 नवंबर को घोषित चालू वित्त वर्ष 2021—22 की दूसरी तिमाही जुलाई से सितंबर 2021 के बीच देश की अर्थव्यवस्था की विकास दर 8.4 फीसदी रही है। कृषि में 4.5 फीसदी विकास दर है, जो कि कोविड पूर्व स्तर की तुलना में सबसे ज्यादा है। ऐसे में कृषि विकास दर और बढ़ाने के लिए देश में वर्तमान में चलाए जा रहे कृषि विकास कार्यक्रमों को और कारगर बनाया जाना होगा। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक फसल बीमा योजना में सुधार, एमएसपी को डेढ़ गुना करने, किसान क्रेडट कार्ड से सस्ते दर से बैंक से कर्ज मिलने की व्यवस्था, कृषि निर्यात तेजी से बढ़ने, एक लाख करोड़ रुपए का एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, कृषि बजट के पांच गुना किए जाने, सोलर पावर से जुड़ी योजनाएं खेत तक पहुंचाने, दस हजार नए किसान उत्पादन संगठन, किसान रेल के माध्यम से छोटे किसानों के कृषि उत्पाद कम ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे पर देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने तथा किसानों को उनकी उपज का अच्छा मूल्य मिलने से किसान लाभान्वित हुए हैं।

निश्चित रूप से अब ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जा रही स्वामित्व योजना के तहत देश के 6 लाख गांवों में किसानों को उनकी रहवासी जमीन का कानूनी हक देकर आर्थिक सशक्तिकरण किए जाने का अभियान तीव्र गति से आगे बढ़ाया जाना होगा। स्थिति यह है कि अभी जीवन भर अपनी जमीन पर रहने वाले किसान जमीन का सम्पत्ति की तरह उपयोग नहीं कर पाते हैं। लेकिन वे स्वामित्व योजना के तहत अपनी जमीन का मालिकाना हक पाकर अपनी जमीन का सम्पत्ति की तरह उपयोग करने लगेंगे। विगत 6 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के हरदा में आयोजित स्वामित्व योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होते हुए देश के 3000 गांवों के 1.71 लाख ग्रामीणों को जमीनों के स्वामित्व पत्र सौंपे हैं। ज्ञातव्य है कि मध्यप्रदेश के वर्तमान कृषि मंत्री कमल पटेल के द्वारा वर्ष 2008 में उनके राजस्व मंत्री रहते तैयार की गई मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास अधिकार योजना के तहत 2 अक्तूबर 2008 को हरदा के दो गांवों में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में भूखंडों के मालिकाना हक के पट्टे ग्रामीण आवास अधिकार पुस्तिका के माध्यम से दोनों गांवों के किसानों को सौंपे गए थे। इस अभियान से अनेक लोगों ने अपनी स्वामित्व की जमीन पर बैंकों से सरलतापूर्वक ऋण लेकर छोटे—कुटीर और ग्रामीण उद्योग शुरू किए हैं। इन गांवों में किसानों की आय बढ़ी है। गरीबी व बेकारी कम हुई है और किसानों की खुशियां बढ़ी हैं।

ऐसे में देशभर के गांवों में स्वामित्व योजना के तेजी से लागू होने से किसान अपनी रहवासी जमीनों पर कानूनी हक प्राप्त कर सकेंगे। वे अपनी जमीन का पूर्ण उपयोग एक सम्पत्ति के रूप में कर्ज लेने के साथ—साथ अपने सभी कामों में कर सकेंगे। ऐसे में स्वामित्व योजना किसानों के लिए खेती की विभिन्न ऋण जरूरतों को सरलता से पूरा करने और किसानों की गैर कृषि आय बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। चूंकि देश के 80 फीसदी किसानों के पास जीविका पार्जन के लिए पर्याप्त खेत नहीं हैं, अतएव उनकी गैर कृषि आय बढ़ाने का विकल्प आगे बढ़ाना होगा। ग्रामीण इलाकों में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को विशेष प्रोत्साहन दिए जाने होंगे। खेती के वैज्ञानिक प्रबंध, बागवानी, वानिकी और मत्स्य पालन को बढ़ावा देना होगा। गेहूं व चावल के अलावा फसलों का विविधीकरण बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। फसल पैटर्न बदलने के तरीके खोजे जाने होंगे। किसान उत्पादन संघों को अधिकतम प्रोत्साहन देकर बेहतर भंडारण और विपणन सुविधाएं विकसित की जानी होंगी। इससे सौदे की शक्ति बढ़ेगी और बिचौलियों का दबाव भी कम होगा। हम उम्मीद करें कि 9 दिसंबर को किसान आंदोलन की समाप्ति और किसानों की घर वापसी के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा गठित की जाने वाली कृषि विकास कमेटी के रणनीतिक कदमों से नए कृषि सुधारों के साथ कृषि विकास का ऐसा नया अध्याय लिखा जाएगा, जिससे छोटे किसानों के चेहरे पर नई मुस्कुराहट आ सकेगी और कृषि विकास दर अवश्य ही ऊंचाई पर पहुंच सकेगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष विधायक सदर व डीएम ने निशुल्क खाद्यान्न वितरण का किया शुभारंभ

गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही निशुल्क खाद्यान्न वितरण योजना– विधायक सदर

हर कार्ड धारक को मानक अनुरूप मिलेगा निशुल्क खाद्यान्न –डीएम

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत निशुल्क खाद्यान्न वितरण का शुभारंभ जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा डीएम मार्कंडेय शाही और विधायक सदर प्रतीक भूषण शरण सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कार्ड धारकों को अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा निशुल्क को खाद्यान्न का वितरण किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मिश्रा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा अंत्योदय राशन कार्ड धारकों को 35 किलो निशुल्क खाद्यान्न जिसमें 15 किलो चावल तथा 20 किलो गेहूं हैं, दिया जा रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को 5 किलो प्रति यूनिट जिसमे 2 किलो चावल तथा 3 किलो गेहूं दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खाद्यान्न के साथ 1– 1 किलो खाद्य तेल, नमक तथा चना भी दिया जा रहा है। यह खाद्यान्न एवं अन्य सामान मार्च 2022 तक निशुल्क दिया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक सदर ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के कारण जब जनजीवन ठप हो गया था तथा पूरी तरह लॉकडाउन था उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निशुल्क खाद्यान्न वितरण का निर्णय लिया था और विगत 2 वर्षों से यह निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पूरे भारत में ऐसे 80 करोड़ गरीब परिवारों को खाद्यान्न वितरित किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 16 करोड लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। जिले में सभी कोटे की दुकान के द्वारा आज से खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है।

जिलाधिकारी मार्कंडेय शाही ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत दिए जाने वाले खाद्यान्न के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि जनपद में अन्त्योदय अन्न योजना के अन्तर्गत कुल 65026 (यूनिट 199033) तथा पात्र गृहस्थी योजनान्तर्गत 542677 राशन कार्ड (यूनिट 2461197) प्रचलित हैं । इस प्रकार जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत कुल 607703 राशन कार्ड (यूनिट 2660230) प्रचलित हैं। नियमित खाद्यान्न वितरण प्रथम चक्र (माह दिसम्बर 2021 से मार्च 2022 तक) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2021 में प्रथम वितरण चक्र (नियमित) में अन्त्योदय कार्डधारकों हेतु 13005. 20 कु0 गेंहूँ व 9753.90 कु० चावल का निःशुल्क वितरण तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों हेतु 73891.41 कु० गेंहूँ व 49260. 94 कु० चावल का निःशुल्क वितरण कराया जाना है । अन्त्योदय योजनान्तर्गत प्रत्येक कार्डधारकों को 20 कि०ग्रा० गेंहू तथा 15 कि०ग्रा० चावल तथा पात्र गृहस्थी योजनान्तर्गत प्रत्येक कार्डधारकों को प्रति यूनिट 03 कि0ग्रा0 गेंहू एवं प्रति यूनिट 02 कि०ग्रा० चावल निःशुल्क वित रण किया जाना अनुमन्य है । इसके अतिरिक्त प्रत्येक अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारक को 01 कि०ग्रा० साबुत चना , 01 कि०ग्रा० आयोडाइज्ड नमक व 01 ली ० खाद्य तेल का निःशुल्क वितरण किया जाना है । प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना द्वितीय वितरण चक्र (माह दिसम्बर 2021 से मार्च 2022 तक) प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना माह दिसम्बर 2021 से माह मार्च 2022 तक प्रस्तावित है । इस योजना के अन्तर्गत अन्त्योदय/पात्र गृहस्थी दोनों प्रकार के कार्डधारकों में प्रति व्यक्ति 05 कि०ग्रा० खाद्यान्न (03 कि० गेंहू व 02 कि०ग्रा० चावल प्रति यूनिट) निःशुल्क वितरण कराया जाना है। माह दिसम्बर 2021 में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनान्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी योजनान्तर्गत प्रचलित कुल 607467 राशन कार्डधारकों में गेंहूँ 78169.38 कु० तथा चावल 52112. 92 कु० खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण कराया जाना अनुमन्य है । उन्होंने कहा कि शासन द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में सभी कार्ड धारकों को मानक अनुरूप निशुल्क खाद्यान्न मुहैया कराया जाएगा इसके लिए प्रवचन अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के साथ ही अन्य अधिकारियों का दायित्व निर्धारित किया गया है।

इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी सुरेश कुमार सोनी, जिला पूर्ति अधिकारी सुरेंद्र यादव, जिला खाद्य विपणन अधिकारी प्रज्ञा मिश्रा सहित लाभार्थी गण उपस्थित रहे।

केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से 15 करोड़ लोगों को प्रतिमाह मिलने वाले निशुल्क राशन का वितरण किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से 15 करोड़ लोगों को प्रतिमाह मिलने वाले निशुल्क राशन में अंतोदय कार्ड धारकों को 20 किलो गेहूं/15 किलो चावल तथा पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 3 किलो गेहूं, 2 किलो चावल के साथ 1 किलो खाद्य तेल, 1 किलो चना, 1 किलो नमक का वितरण निशुल्क किया गया ।

रविवार को नगर पंचायत मनकापुर के मोहल्ला गांधीनगर मैं स्थित महिला उपभोक्ता सहकारी समिति के कोटेदार अमर चंद गुप्ता द्वारा अंत्योदय कार्ड धारकों/पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रतिमाह मिलने वाले निशुल्क राशन के साथ 1 किलो खाद्य तेल ,1 किलो चना के साथ 1 किलो नमक का भी निशुल्क वितरण किया गया। मुफ्त राशन वितरण समारोह में शास्त्री नगर सभासद/जिला मंत्री किसान मोर्चा वैभव सिंह, आजाद नगर सभासद सुरेंद्र कुमार गुप्ता एंव गांधीनगर सभासद राजेश मौर्या ने संयुक्त रुप से फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समारोह में उपस्थित दर्जनों कार्ड धारको को संबोधित करते हुए शास्त्री नगर सभासद/जिला मंत्री किसान मोर्चा वैभव सिंह ने कहां कि जब से देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार बनी है। तभी से गरीबों को पारदर्शी तरीके से खाद्यान्न का वितरण हो रहा है ।उन्होंने कहा कि पहले की सरकार व राशन माफियाओं के गठजोड़ से गरीबों को मिलने वाला मुफ्त राशन सेठ

साहूकारों के हाथों में चला जाता था। गांधीनगर सभासद राजेश मौर्या नेअपने सम्वोधन मे कहा कि प्रदेश सरकार के सहयोग से हर महीने गरीबों को मिलने वाले मुफ्त राशन के साथ इस बार चना, खाद्य तेल के साथ नमक का भी वितरण निशुल्क किया जा रहा है।

आजाद नगर सभासद सुरेंद्र कुमार (पन्नीलाल) ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा अंतिम पायदान के गरीब परिवारों को भी प्रतिमाह निशुल्क राशन उपलब्ध करा रही है।

इसके पूर्व निशुल्क राशन वितरण समारोह के दौरान महिला उपभोक्ता सहकारी समिति के सचिव द्वारा सभासद वैभव सिंह, सभासद राजेश मौर्य ,सभासद सुरेंद्र कुमार(पन्नीलाल) को माला पहनाकर स्वागत किया गया। राशन वितरण के दौरान आए हुए सभी कार्ड धारकों में मिष्ठान का वितरण किया गया।

निशुल्क राशन वितरण के दौरान मो0 शास्त्री नगर के अंत्योदय कार्ड धारक तामेश्वर प्रसाद, रतनलाल राजेश कुमार,मो0 आजाद नगर सुशीला देवी अमीनुद्दीन उमा चौहान फातिमा खातून,मो0 गांधीनगर नीलम देवी सुरेंद्र कुमार जुगरा देवी समेत दर्जनों अंतोदय कार्ड धारकों को सभासदों द्वारा निशुल्क राशन के साथ चना ,खाद्य तेल ,नमक आदि का वितरण किया गया।

निशुल्क राशन के साथ अतिरिक्त खाद्य पदार्थ मिलने पर कार्ड धारकों के चेहरे खुशी से चमक उठे। उन्होंने प्रदेश सरकार के मुखिया को सहृदय धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

निशुल्क डबल डोज राशन वितरण का ब्लाक प्रमुख पूनम द्विवेदी ने कराया शुभारंभ

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार रविवार को जनपद के समस्त सरकारी राशन की दुकानों पर भाजपा पदाधिकारियो व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियो की मौजूदगी में राशन कार्ड धारकों के बीच निशुल्क डबल डोज राशन का वितरण कराया गया इसी क्रम में इटियाथोक ग्राम पंचायत स्थित किरण दिवेदी व पुष्पा देवी के सरकारी कोटे की दुकान पर निशुल्क डबल डोज राशन व 12 बोल्ट एलईडी बल्ब का वितरण इटियाथोक ब्लॉक प्रमुख पूनम द्विवेदी के कर कमलों द्वारा प्रधान प्रतिनिधि राजेश दिवेदी, मंडल अध्यक्ष सत्यव्रत ओझा व कोतवाल अरुण कुमार द्विवेदी के मौजूदगी में पात्र गृहस्थी व अंत्योदय राशन कार्ड धारकों के बीच किया गया। इस दौरान कार्ड धारकों को शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए थैले में प्रति यूनिट 5 किलो गेंहू/ चावल के साथ एक किलो रिफाइंड आयल, एक किलो चना व एक किलो आयोडीन युक्त नमक का निशुल्क वितरण किया गया खाद्यान्न वितरण से पूर्व कार्यक्रम में उपस्थित कार्ड धारकों को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया गया राशन के साथ अन्य खाद्य पदार्थ निशुल्क पाकर राशन कार्ड धारकों के चेहरे खिल उठे सभी ने केंद्र की मोदी व राज्य की योगी सरकार सहित क्षेत्रीय विधायक विनय कुमार द्विवेदी की धर्मपत्नी/ इटियाथोक ब्लॉक प्रमुख पूनम द्विवेदी की मुक्त कंठ से सराहना की। आपको बता दें कि प्रदेश सरकार ने निशुल्क खाद्यान्न वितरण योजना को मार्च 2022 तक बढ़ाने के साथ ही कार्ड धारकों को निशुल्क खाद्यान्न के साथ चना, तेल, नमक व चीनी भी निशुल्क देगी वहीं केंद्र सरकार ने भी फ्री राशन देना मार्च 2022 तक बढ़ा दिया है ।कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष अजय राठौर, पत्रकार रवि चतुर्वेदी, देश दीपक द्विवेदी, नीरज द्विवेदी, दिनेश मौर्या, मुन्ना तिवारी, राकेश तिवारी सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

थाना खरगूपुर क्षेत्र के अन्तर्गत हुए जघन्य हत्याकाण्ड का खुलासा, 03 आरोपी अभियुक्तगण गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। दिनांक 08.12.2021 को थाना खरगूपुर क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम इटहिया नविजोत गन्ने के खेत में एक व्यक्ति का शव प्राप्त हुआ था। जिसके सम्बन्ध में मृतक की पत्नी श्रीमती किशनावती द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कराया गया था। घटना को संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक खरगूपुर को घटना का सफल अनावरण कर दोषी अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने के कड़े निर्देश दिए थे तथा थाना खरगूपुर पुलिस व स्वाट/सर्विलांस सहित 5 टीमों को भी घटना के अनावरण हेतु लगाया गया था। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य संकलन के आधार पर अभियुक्त–01. राधिका, 02. छेदी, 03. भगवानदीन का नाम प्रकाश में आया था। उपरोक्त तीनों अभियुक्तगणों को दिनांक 12.12. 2021 को गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्तगणों की निशादेही में घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल चापड़ बरामद कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि मृतक संतोष पासवान का अभियुक्त राधिका की बहन से प्रेम प्रसंग था। इसी बात से क्षुब्ध होकर अभियुक्त राधिका ने अपने जीजा व बुआ के लड़के के साथ मिलकर उक्त घटना को कारित किया था।

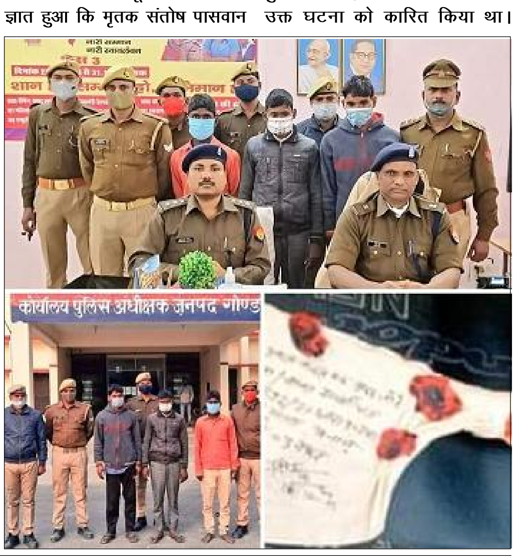

ईवीएम मशीन से वोट डालने के बारे में लोगों को किया जागरूक

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। ईवीएम मशीन मशीन से वोट डालने के बारे में लोगों को किया जागरूक मनकापुर तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्रामसभा गढी के मोतीगंज पीपल तिराहे के पास रविवार को तहसीलदार मनकापुर राजस्व कर्मियों के साथ पहुंच कर लोगों को जागरूक किया तहसीलदार मनकापुर नरसिंह नारायण बर्मा हल्का लेखपाल स्नेह लता विश्वकर्मा लेखपाल देवदत्त व्यास प्रवीण शुक्ला शिवकुमार शर्मा तथा राजस्व आर्ग प्रजापति हवलदार हल्का सिपाही लोगों ने क्षेत्रीय लोगों को ईडीएम मशीन से किस तरह वोट डाला जाएगा इस बारे में जागरूक किया और उन्हें ईवीएम मशीन से वोट डालते हुए लोगों को वीडियो दिखाएं और बताया कि किस तरह से आप वोट डालेंगे और जब आपका वोट पड़ जाएगा तो मशीन से पर्ची पर्ची निकलेगी और निशान दिखाई देगा तो आप समझ जाइए कि आपका वोट पड़ गया है इसी दिन कई अन्य स्थानों पर भी लोगों को तहसीलदार व हल्का लेखपाल सहित अन्य राजस्व कर्मियों ने जाकर लोगों को जागरूक किया।

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक महोदय व क्षेत्राधिकारी महोदय बांगरमऊ के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बांगरमऊ पुलिस द्वारा एक अभियुक्त के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव गंगाघाट कोतवाली के अंतर्गत आज दिनांक 12:12 2021 गंगा घाट समाजवादी पार्टी के कर्मठ शील जुझारू कार्यकर्ताओं व जनता की समस्या वअधिकारों के लिए तत्पर रहने वाले लोकप्रिय जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव का जन्मदिन बड़े धूमधाम से धोबी पुलिया के पास स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने फूल माला व केक काटकर मनाया गया इस अवसर पर सदर विधायक प्रत्याशी डॉ अभिनव कुमार उपाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला जिला सचिव मिंटू निषाद सपा महिला जिला अध्यक्ष सुनीता रावत उपाध्यक्ष रानी देवी पूर्व सभासद पंकज यादव सहित सैकड़ों समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिनांक १२ दिसंबर २०२१ दिन रविवार कॉल लालबाग शहीद पार्क में अपना दल यस के तत्वाधान में समय १२रू०० बजे मासिक समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

सीतापुर। दिनांक 12 दिसंबर 2021 दिन रविवार कॉल लालबाग शहीद पार्क में अपना दल यस के तत्वाधान में समय 12:00 बजे मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिस बैठक के मुख्य अतिथि माननीय जयप्रकाश पटेल जिला अध्यक्ष अपना दल यस

सीतापुर विशिष्ट अतिथि मोहसिन अंसारी जी जिला उपाध्यक्ष जिस बैठक की अध्यक्षता कर रहे राजू राजवंशी विधानसभा अध्यक्ष सदर सीतापुर जिस कार्यक्रम में 2022 के चुनाव को देखते हुए निम्न बिंदुओं पर विचार किया गया

1 आए हुए सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने 2022 विधानसभा चुनाव से पहले बूथ स्तर तक संगठन खड़ा करने पर चर्चा की गई

2 सभी पदाधिकारियों ने अपनी सहमति जताते हुए कहा गांव गांव जाकर चौपाल बैठक के माध्यम से सदस्यता अभियान चलाते हुए बूथ स्तर का गठन किया जाए

3 अपना दल यस सीतापुर सभी कार्यकर्ताओं ने 2022 के चुनाव में 3 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का निर्णय लिया

इसी क्रम में फूलचंद मौर्य निवासी रामपुर मथुरा को सक्रिय सदस्य बनाया गया तथा रामसनेही गुप्ता जिला कार्यकारिणी सदस्य सोबरन लाल वर्मा जिला कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद सबीबविधानसभा अध्यक्ष अल्पसंख्यक मंच राम मनोज मौर्य पप्पू राजवंशी ज़ोन अध्यक्ष आज कई पदाधिकारियों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

17 दिसम्बर को मनाया जाएगा अमर शहीद राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी का बलिदान दिवस, तैयारियों हेतु डीएम ने दिए आदेश

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। आजादी के महानायक अमर शहीद राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी जी का बलिदान दिवस हर वर्ष की भांति 17 दिसम्बर को पारम्परिक तरीके से कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मनाया जाएगा। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजन के सम्बन्ध में जिलाधिकारी मार्कंडेय शाही की अध्यक्षता में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई जिसमें जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम में कोविड–19 प्रोटोकाल का अनुपालन पूरी तरह से सुनिश्चित कराया जाय, इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर लें।

बैठक में जेलर द्वारा बताया गया कि पूर्व की भांति इस वर्ष लाहिड़ी जी के 95वें बलिदान दिवस के अवसर पर सुबह 09 बजे हवन, 10 बजे गार्ड ऑफ ऑनर, 10:30 बजे वृक्षारोपण, 10:45 बजे सर्व धर्म सभा का आयोजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, 11 बजे देशगान तथा दोपहर 12 बजे कार्यक्रम का समापन होगा।

बैठक में जिलाधिकारी ने नगरपालिका के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं नगर के पीपल चौराहा, जिला कारागार तथा अमर शहीद लाहिड़ी समाधि स्थल पर साफ–सफाई के साथ–साथ

अन्य आवश्यक प्रबन्ध समय से सुनिश्चित कर लिए जाएं। उन्होने यह भी निर्देश दिए हैं कि बलिदान दिवस के अवसर पर होने वाले निर्धारित स्थल जैसे जिला कारागार में हवन, पुष्पान्जलि, समाधि स्थल पर साफ–सफाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देश दिए कि बलिदान दिवस आयोजन के दौरान कार्यक्रम में बतौर अतिथि आने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु मेडिकल मेडिकल कैंप भी लगाया जाएगा। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया जाएगा। सूचना विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ ही एलईडी वैन के माध्यम से लाहिड़ी जी के जीवन वृत्त से संबंधित लघु वीडियो फिल्म भी दिखाई जाएगी।

बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता, एसडीएम सदर विनोद सिंह, जेलर, सीओ सिटी लक्ष्मीकान्त गौतम, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आरपी सिंह, ईओ नगर संजय मिश्रा, एक्सईएन विद्युत, प्रभारी डीपीआरओ संत कुमार, व्यायाम शिक्षक संजय सिंह, समाजसेवी धरमवीर आर्य, डॉक्टर उमा सिंह, माधवराज सिंह, रेखा श्रीवास्तव तथ आर्य समाज के प्रतिनिधि सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एकेडमिक रिसोर्स पर्सन जितेंद्र वर्मा व सूर्यभान राम द्वारा बच्चों को किया गया सम्मानित

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। सोमवार को कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सर आज्ञाराम मनकापुर में एकेडमिक रिसोर्स पर्सन जितेंद्र वर्मा व सूर्यभान राम द्वारा विद्यालय का अनुश्रवण किया गया। उन्होंने बच्चों के कार्यों को देखा तथा शिक्षकों को रोचक शिक्षण विधि द्वारा शिक्षण के लिए प्रेरित किया। बच्चों के लेखन कौशल की जांच हेतु दोनों एकेडमिक रिसोर्स पर्सन की उपस्थिति में सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों शाकीरा बानो अंशिका मौर्या रुवी भारती लक्ष्मी कनौजिया गायत्री चौहान शुभम संध्या कनौजिया कैकसा बानो दीपक कश्यप मनीष मौर्या अंजलि पासवान संजू निषाद करन बनर्जी तैयब रजा व शिवपूजन को कापी व पेन देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया राम अनुज शताब्दी वर्मा सुरेश कुमार अमर ज्योति देवेंद्र प्रताप चित्रावती मौर्य पूनम यादव अनुराधा मिश्रा उपस्थित रहे।

किसान आन्दोलन से वापस लौटे भा0 कि0 यू0 जिलाध्यक्ष, किसानों ने किया भव्य स्वागत

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा। दिल्ली बार्डर पर चल रहे किसान आन्दोलन में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेने वाले किसान अब अपने–अपने घर वापस होने लगे हैं, दिनांक 12 दिसंबर 2021 को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के जिलाध्यक्ष वंशराज वर्मा भी वापस हो गए हैं , जिलाध्यक्ष वंशराज वर्मा पिछले काफी दिनों से दिल्ली बार्डर पर चल रहे किसान आन्दोलन में शामिल थे। रविवार सुबह जब वे इस आन्दोलन से लौटे तो गोंडा रेलवे स्टेशन पर किसानों ने माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। सरकार द्वारा लाये गए तीनों कृषि कानून वापस हो जाने व् सरकार द्वारा किसानों की कई मांगों पर सहमति हो जाने पर आन्दोलन से लौटे किसान नेताओं व स्वागत करने वाले कार्यकर्ताओं में काफी ख़ुशी का माहौल दिखा,किसानों ने जय जवान जय किसान व् किसान एकता जिन्दाबाद के नारे लगाये। किसान नेता किशन बिहारी वर्मा ने बताया कि 15 जनवरी तक आन्दोलन स्थगित किया गया है,अगर हमारी मांग को लेकर कोई दिक्कत आती है तो यह धरना दोबारा चालू हो सकता है। ये काफिला गोंडा शहर बडगांव पुलिस चौकी , मनकापुर बस अड्डा , सालपुर बाज़ार,सोनबरसा बाज़ार एवं अन्य कई जगहों से होते हुए भारतीय किसान यूनियन कार्यालय ग्राम सभा रमवापुर श्याम में पहुँचा जहाँ पर ग्रामीणों और किसान नेताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर व गले मिलकर जिलाध्यक्ष सहित सभी किसान नेताओं का माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। किसानों के इस कार्यक्रम में किसान नेता राज दत्त वर्मा, हरिभान यादव,दयाराम राम वर्मा,राम दल वर्मा,जमाल, सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

बेटी को इन्साफ दिलाने के लिए माँ ने गोंडा पुलिस अधीक्षक से लगाई गुहार।

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति अभियान, जागरूकता और साहस का प्रतीक है, जिसके तहत महिलाओं को त्वारित न्याय देने की प्राथमिकता निचले पायदान से ही अनिवार्य है किन्तु अक्सर ऐसे परिवार मिल ही जाते हैं जिन्हें स्थानीय थानों से निराश हो कर जिले के उच्चाधिकारियों को अपनी पीड़ा सुनानी पड़ती है। इसी तरह क्षेत्रीय पुसिल की लचर कार्य प्रणाली से निराश एक माँ ने सोमवार को गोंडा के पुलिस अधीक्षक सन्तोष कुमार मिश्रा से मिल कर अपनी बेटी को इन्साफ दिलाने के लिए गुहार लगाई है। बस्ती जिले से आई इंद्रावती पत्नी मिश्री लाल ने शिकायती पत्र में कहा है गोंडा जिले के थाना वजीर गंज क्षेत्र में स्थित नगवा गाँव में उमेश चन्द्र पुत्र रवि सोनी के साथ दो वर्ष पूर्व उनकी बेटी का विवाह हुआ था।

विवाहोपरांत से ही बेटी का ससुर उसका शारीरिक शोषण करना चाहता था, विफलता की खीझ में अतिरिक्त दहेज के लिए स्वयं भी दबाव बनाता एवं अपने पुत्र को भी दूकान खोलने के लिए रूपये मांगने को कहता था, इंद्रावती ने बताया की उनकी बेटी ने उमेश चन्द्र सोनी पर छेड़छाड़ करने अथवा मायके से मिले जेवर बर्तन बेच देने का आरोप लगाते हुए वजीर गंज पुलिस से शिकायत भी किया था किन्तु मामले कार्यवाही करने के बजाय बरगला कर सुलह नामा लिखवा दिया गया, पति की गैर मौजूदगी में बेटी अपने को असुरक्षित महसूस करती थी इसलिए वो शिकायती दिनांक से ही मायके चली गयी, उधर उमेश चन्द्र में लाचाकी दिखाते हुए परिवार न्यायालय में रुखसती दाखिल कर दिया लेकिन उनकी बेटी को मायके से लाने बाप बेटे में से कोई नही आया, दो वर्षो से बेटी अपने मायके रह रही है, न्याय के लिए कई बार शिकायत की गयी किन्तु कोई सुनवाई नही हुयी, थक हार कर उन्हें अपनी बेटी को इन्साफ दिलाने के लिए बस्ती से गोंडा आना पड़ा।

दारुल उलूम ने तबलीगी जमात पर प्रतिबंध लगाने के सऊदी अरब के फैसले पर ऐतराज जताया

सहारनपुर (उप्र), (वेब वार्ता)। विश्वविख्यात इस्लामिक शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद ने सऊदी अरब सरकार के तबलीगी जमात पर प्रतिबंध लगाए जाने पर ऐतराज जताया है। दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नौमानी ने कहा कि सऊदी अरब सरकार अपने इस फैसले पर फिर से विचार करें क्योंकि तबलीगी जमात पर लगाए गए आरोप बेबुनियादी हैं। दारुल उलूम देवबंद ने पहली बार सऊदी अरब सरकार के फैसले पर अपना विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि इस पर आतकंवाद के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। रविवार को मीडिया मे जारी बयान मे मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नौमानी ने कहा कि लगभग 100 साल पहले दारुल उलूम के वरिष्ठ उस्ताद रह चुके हजरत मौलाना महमूद हसन के शिष्य स्वर्गीय मौलाना मोहम्मद इलयास ने तबलीगी जमात की शुरुआत की थी और मामूली स्तर पर विरोध के बावजूद तबलीगी जमात अपने उद्देश्य में कामयाब रही है। तबलीगी जमात का मुख्यालय दिल्ली के निजामुद्दीन में है।

बाराबंकी में सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत

बाराबंकी (उप्र), (वेब वार्ता)। जिले में जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के सद्दीपुर सिहाली मार्ग पर सड़क हादसे में पिता और पुत्र की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गये। जहांगीराबाद के थाना प्रभारी दर्शन यादव ने सोमवार को बताया कि घटना रविवार शाम को सद्दीपुर सिहाली मार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि रविवार शाम एक टेंपो सवारियों को लेकर जहांगीराबाद से फतेहपुर के लिए जा रहा था। सद्दीपुर से करीब एक किलोमीटर आगे नेवाज पुरवा मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने टेंपो को टक्कर मार दी और यह टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो पलट गया और उसमें सवार सभी यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। यादव ने बताया कि सभी घायलों को देवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां जहांगीराबाद कस्बे के संजय वाल्मीकि (16) और हरीश (55) को डॉक्टरों ने मश्त घोषित कर दिया। बताया जाता है कि ये दोनों पिता–पुत्र पैंतेपुर में किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों का उपचार चल रहा है।

निलंबित सदस्यों का निलंबन वापस लेने की मांग कर रहे विपक्ष का हंगामा, रास दो बजे तक स्थगित

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। बारह सदस्यों का निलंबन रद्द करने की मांग पर अड़े विपक्षी सदस्यों के व्यवधान की वजह से सोमवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद 12 बजकर करीब पांच मिनट पर दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। हंगामे की वजह से सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल दोनों नहीं हो पाए।

एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा। हंगामे के बीच उपसभापति हरिवंश ने प्रश्नकाल शुरू करने का प्रयास किया।

हंगामे के बीच ही सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि निलंबित सदस्यों के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सरकार पर गलत आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा ''हमने लगातार कोशिश की और विपक्षी दलों से चर्चा करने का प्रयास किया। लेकिन सदन के बाहर जो बयान आ रहे हैं, वे सही नहीं हैं।''

गोयल ने दावा किया कि विपक्षी सदस्य जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, उससे लगता है कि उनके मन में कोई पश्चाताप और अफसोस नहीं है।

उपसभापति ने हंगामा कर रहे सदस्यों से शांत रहने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील बार–बार की। लेकिन अपनी अपील का कोई असर नहीं होते देख उन्होंने बैठक शुरू होने के पांच मिनट के अंदर ही कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सुबह बैठक शुरू होने पर सभापति एम वेंकैया नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने जैसे ही शून्यकाल शुरू कराया, कांग्रेस सहित विपक्षी सदस्यों ने संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में कथित अशोभनीय आचरण के लिए शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए गए बारह सांसदों का निलंबन रद्द करने की मांग की।

सभापति ने सदस्यों का निलंबन वापस लिए जाने की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों से शांत रहने और शून्यकाल चलने देने की अपील की। लेकिन सदन में व्यवस्था बनते न देख उन्होंने 11 बज कर करीब 15 मिनट पर बैठक को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

इससे पहले, सदन में संसद पर हमले की 20वीं बरसी पर, लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर की रक्षा करते हुए जान गंवाने वाले सुरक्षा कर्मियों और आतंकियों की गोलीबारी में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी गई।

राज्यसभा के निलंबित सदस्यों का संसद परिसर में धरना जारी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। संसद के मानसून सत्र के दौरान उच्च सदन में ''अशोभनीय आचरण'' को लेकर शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए गए राज्यसभा के 12 सांसदों ने अपने खिलाफ की गई कार्रवाई के विरोध में सोमवार को संसद परिसर में धरना दिया।

गत 29 नवंबर को हुए निलंबन के बाद से इस कार्रवाई के विरोध में रोजाना संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन कर रहे 12 निलंबित विपक्षी सांसदों ने आज भी बापू की प्रतिमा के सामने धरना जारी रखा। इन विपक्षी सांसदों का कहना है कि जब तक निलंबन रद्द नहीं होगा, तब तक वे संसद की कार्यवाही के दौरान सुबह से शाम तक महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठेंगे।

निलंबित सांसदों में शामिल कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने कहा, ''हम निलंबन रद्द होने तक अपना धरना जारी रखेंगे। निलंबन असंवैधानिक और नियमों के विरूद्ध है। यह रद्द होना चाहिए।''

पिछले 29 नवंबर को आरंभ हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को इस सत्र की शेष अवधि के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तश्णमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं।

संसद हमले के शहीदों को योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ, (वेब वार्ता)। संसद भवन परिसर में 20 साल पहले हुये आतंकवादी हमले में शहीद हुये जवानों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। संसद भवन हमले की 20वीं बरसी पर योगी ने अपने संदेश में कहा, "भारतीय लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' पर हुए कायराना हमले को अपने प्राणों की आहुति देते हुए विफल कर भारतीय गणराज्य की संप्रभुता की रक्षा करने वाले वीर जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि व कोटिशः नमन। आप सभी का बलिदान हर भारतवासी को राष्ट्र सेवा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। सादर नमन!" उल्लेखनीय है कि 13 दिसंबर 2001 को संसद भवन परिसर में आतंकवादियों के कायराना हमले को नाकाम करने में सुरक्षा बल के दो और दिल्ली पुलिस के छह जवान शहीद हुये थे। इस हमले में संसद भवन परिसर में तैनात एक माली की भी गोलीबारी की चपेट में आने से मौत हो गयी थी।

चक्रवात की चपेट में आयी मेफील्ड फैक्टरी में आठ कर्मचारियों की मौत

मेफील्ड (अमेरिका), (वेब वार्ता)। अमेरिका के केंटुकी राज्य में चक्रवात की चपेट में आयी मोमबत्ती बनाने की फैक्टरी में आठ कर्मचारियों की मौत हो गयी और आठ अन्य लापता हैं।

कंपनी के प्रवक्ता बॉब फर्ग्यूसन ने रविवार को बताया कि अधिकारियों ने शुरुआत में बताया था कि 'मेफील्ड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स' के 110 कर्मचारियों में से 40 को बचा लिया गया है। अब तक 90 से अधिक लोगों का पता लगाया जा चुका है। आठ लापता हैं और ऐसी उम्मीद है कि वे ठीक होंगे। उन्होंने कहा, ''कई कर्मचारी चक्रवात से बचने के लिए बनाए स्थान पर एकत्रित हो गए थे और चक्रवात के लौटने के बाद वे फैक्टरी से अपने घर चले गए। बिजली गुल होने और लैंडलाइन फोन की कोई सुविधा न होने के कारण शुरुआत में उनसे संपर्क साधना मुश्किल था। हम लापता आठ लोगों का पता लगा रहे हैं।''

गवर्नर एंडी बेशिर ने रविवार को आगाह किया कि मेफील्ड फैक्टरी और अन्य जगह जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 100 के पार जा सकती है, लेकिन बाद में मोमबत्ती बनाने की फैक्टरी से मिली जानकारियों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह संख्या आधी रह सकती है।

अमेरिका के मध्यपश्चिमी और दक्षिण इलाके में आए चक्रवात से केंटुकी सबसे अधिक प्रभावित रहा। चार अन्य राज्यों में बवंडर से कम से 14 लोगों की मौत हुई। अकेले बाउंलिंग ग्रीन में और उसके आसपास 11 लोगों की मौत हो गयी।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम का उद्घाटन किया

वाराणसी, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यहां काशी विश्वनाथ धाम के पहले चरण का उद्घाटन किया। अपने निर्वाचन क्षेत्र आने के बाद मोदी ने काल भैरव मंदिर में पूजा अर्चना की और गंगा नदी में डुबकी लगाई।

वह वहां से पवित्र गंगाजल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर आए। काशी विश्वनाथ धाम के उद्घाटन से पहले मोदी ने एक प्रार्थना समारोह में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने इस परियोजना में कार्य करने वाले मजदूरों पर उनके कार्य के लिए आभार व्यक्त करने के लिए गुलाब की पंखुड़िया बरसाई। वह समूह तस्वीर के लिए उनके साथ बैठे। काशी विश्वनाथ धाम परियोजना करीब पांच लाख वर्ग फीट में फैली हुई है और गंगा नदी को काशी विश्वनाथ मंदिर से जोड़ती है और इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए कई सुविधाओं का विकास किया गया है।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और देशभर से आए साधु संत भी मौजूद थे।

राजेंद्र प्रसाद सेनापति के साथ तेलुगू ओटीटी पर डेब्यू करने को तैयार

हैदराबाद, (वेब वार्ता)। अनुभवी तेलुगू अभिनेता राजेंद्र प्रसाद आगामी वेब फिल्म सेनापति के साथ ओटीटी पर अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं।

सेनापति के निर्माताओं ने मोशन पोस्टर के साथ घोषणा की, जिससे पता चला कि फिल्म एक दिलचस्प थ्रिलर है।

मोशन पोस्टर एक दादा और उनके पोते के बीच बातचीत के साथ शुरू होता है, जहां पूर्व में एक राजा, उसके सात बेटे, जो मछली पकड़ने जाते हैं (तेलुगू में एक लोकप्रिय लोक कथा) की पित्त कथा का वर्णन करते हैं। राजेंद्र प्रसाद का नैरेशन इंट्रेस्टिंग है, जैसे उनका लुक सामने आया है। फिल्म में राजेंद्र प्रसाद का कच्चा, यथार्थवादी लुक पोस्टर में सामने आया है, जिसमें उनके चेहरे पर बंदूक की छाप भी है।

रिडेम्पशन ड्रामा, (जो अहा पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है) में नरेश अगस्त्य, ज्ञानेश्वरी कांद्रेगुला, हर्षवर्धन और राकेन्दु मौली भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

वेब ओरिजिनल का निर्देशन पवन सदानेनी ने किया है, जिन्होंने पहले प्रेमा इश्क कधल और सावित्री का निर्देशन किया था। यह फिल्म गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट के तहत सुष्मिता कोनिडेला और विष्णु प्रसाद द्वारा निर्मित है।

मनोबल ऊँचा रखकर ही अधिकारों के लिए संघर्ष किया जा सकता है : लक्ष्य

अवध की आवाज ब्यूरो

हरियाणा। लक्ष्य की पलवल टीम ने बहुजन जागरूकता अभियान के तहत एक कैडर कैंप का आयोजन हरियाणा के पलवल के गांव पैंगरतू में किया जिसमें बहुजन समाज की दशा में सुधार के लिए दिशा की मजबूती पर जोर दिया गया और महापुरुषों की शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। जिन लोगों का मनोबल ऊँचा होता है वे ही लोग अपने लक्ष्य तक पहुँच पाते है। आंदोलन की मजबूती के लिए लोगों का मनोबल ऊँचा रहना बहुत ही आवश्यक होता है और मनोबल बनाये रखने के लिए समाज में किसी ना किसी रूप में निरन्तर जागरूकता अभियान चलता रहना चाहिए और महापुरुषों के योगदान की चर्चा भी होती रहनी चाहिए ताकि समाज के लोगों में अपनी दशा सुधारने की इच्छा शक्ति बनी रहे और वे अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहें। बहुजन समाज के लोगों में सकारात्मक चर्चाओं का दौर निरन्तर चलता रहना चाहिए अर्थात् समाज के लोगों में यह विश्वास पैदा हो सके कि एक एक कदम रखकर भी अपने अधिकारों के आंदोलन को मजबूत किया जा सकता है। यह बात लक्ष्य कमांडरों ने अपने सम्बोधन में कही। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच वाले ही कमांडरों ने जोर देते हुए कहा कि गुलाम को गुलामी का अहसास कराना ही होगा ताकि वे गुलामी की जंजीरों को तोड़ सके। इस अवसर पर बहुजन समाज के युवाओं ने लक्ष्य संगठन द्वारा चलाये जा रहे अभियान को मजबूत

समाज के आंदोलन को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि नकारात्मक चर्चाओं से बचें क्योंकि यह दूषित मानशिकता वाले लोगों की एक सोची समझी चाल है ताकि हम लोग यानि कि बहुजन समाज अपने अधिकारों के बारे में गंभीरता से सोच ही ना सके और जो मिला है उसी में ही मस्त रहें। लक्ष्य करने का संकल्प लिया। इस कैडर कैंप में लक्ष्य के राष्ट्रीय प्रवक्ता के पी गौतम, लक्ष्य कमांडर कविता जाटव, मंजू गौतम, दयावती कर्दम, बिट्टू, एडवोकेट बिजेंद्र सिंह निमेश, नेत्रपाल, नीरज नाहरवाल, पवन छोकर,दौलत राम, गंगा राम गौतम ने हिस्सा लिया। कैंप को सफल बनाने में, लक्ष्य युथ कमांडर विराट चौहान, हरपाल, बलराम ने अहम भूमिका निभाई।

बिग बॉस १५: सलमान ने सिद्धार्थ को किया याद, कहा तुम हमें बहुत जल्दी छोड़ गए

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड सुपरस्टार और बिग बॉस 15 के होस्ट, सलमान खान ने रविवार के वीकेंड का वार एपिसोड में दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला को याद किया। सलमान ने 12 दिसंबर को उनके जन्मदिन पर बिग बॉस 13 के विजेता को पूरा एपिसोड समर्पित किया। एपिसोड के दौरान, दिवंगत अभिनेता की तस्वीरों को बिग बॉस के सेट पर उनके कुछ पलों को याद करते हुए दिखाया गया कि कैसे उन्होंने असीम रियाज, शहनाज गिल और रश्मि देसाई को हराकर ट्रॉफी जीती थी। सलमान ने दिवंगत अभिनेता को याद करते हुए कहा कि आज एक बिग बॉस विजेता का जन्मदिन है जो अब हमारे बीच नहीं है। इसलिए, आज का एपिसोड सिद्धार्थ शुक्ला को समर्पित है। आपने हमें बहुत जल्दी छोड़ दिए दोस्त। आपको सब याद कर रहे है और आपको इस खास दिन की शुभकामनाएं। सिद्धार्थ का 2 सितंबर को 40 साल की उम्र में निधन हो गया था। बिग बॉस 13 में शहनाज के साथ उनकी केमिस्ट्री ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।